डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India,
Ministry of Culture

SA. 16/14/

1 April 2024

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष श्री माधव कौशिक ने प्रसिद्ध मलयालम लेखक डॉ. सी. राधाकृष्णन द्वारा साहित्य अकादेमी की सामान्य परिषद की सदस्यता से दिए गए इस्तीफे के संबंध में कहा है कि डॉ. राधाकृष्णन के लिखित इस्तीफे में दी गई जानकारी भ्रामक है। डॉ. राधाकृष्णन ने अपने इस्तीफे में कहा है कि वह "इस साल के साहित्य अकादेमी साहित्योत्सव का उद्घाटन भारत सरकार के एक कैबिनेट मंत्री, एक ऐसे व्यक्ति द्वारा किए जाने का कड़ा विरोध करते हैं, जिनकी साहित्य में कोई पहचान नहीं है।" श्री माधव कौशिक ने दृढ़तापूर्वक कहा कि यह पूर्णतया ग़लत है, क्योंकि भारत सरकार के माननीय संस्कृति राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल स्वयं एक लेखक हैं। वह राजस्थानी और हिंदी के अच्छे जानकार हैं। हिंदी में उनके प्रकाशनों में - *'एक सफर हमसफर के साथ', 'दिव्य पथ दाम्पत्य का', 'भारतीय मूल्य व परम्पराओं को सशक्त करनेवाला कानून'* आदि शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने राजस्थानी भाषा के विकास हेतु कई कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया और राजस्थानी को संविधान की आठवीं अनुसूची में भारतीय भाषा के रूप में मान्यता दिलाने के लिए विभिन्न क्षमताओं में पूर्ण सहयोग दिया है।

इसके अलावा, डॉ. राधाकृष्णन द्वारा यह ग़लत जानकारी देना कि, "साहित्य अकादेमी के लंबे उतार-चढ़ाव भरे इतिहास में जिसमें लगातार इसकी स्वायत्तता क़ायम रही, यह पहली बार हुआ"। जबकि तथ्य यह है कि कई मंत्रियों ने, चाहे वे किसी भी राजनीतिक दल से हों, पहले भी अकादेमी के साहित्यिक कार्यक्रमों में सहभागिता की है और यह निश्चित रूप से किसी भी तरह से अकादेमी की स्वायत्तता का उल्लंघन नहीं है।

(के. श्रीनिवासराव)